16/05/2020 Subject - Contemporary India and Education B.Ed. 1st Year

(Imp' Short-Answers)

कार्यानुभव → इसे कार्यानुभव को विद्यालय, घर, पाठशाला, फैक्ट्री, कार्यशाला या किसी अन्य उत्पादक कार्य में सहयोग के रूप में परिभाषित करने से है। कार्यानुभव का मूल आधार है, विद्यार्जन के साथ धनार्जन करना। इससे छात्रों में श्रम की भावना का विकास होता है।

भारत में बौद्धकाल में शिक्षा के दो प्रमुख केन्द्र :-

(1) नालन्दा (2) तक्षशिला
(3) वल्लभी (4) विक्रमशिला

अध्यापन शिक्षा में अलगाव प्रत्यय का परिभाषा - शिक्षक शिक्षा में अलगाव से तात्पर्य है एक स्तर के शिक्षकों का दूसरे स्तर के शिक्षकों से अलग रहना और एक ही स्तर पर अपने विभागों में अलग रूप में कार्य करने से है।

ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड :- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के अन्तर्गत ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड के नाम से प्राथमिक शिक्षा में एक योजना चलायी गयी। जिसके अनुसार प्राथमिक विद्यालयों की न्यूनतम आवश्यकता (दो कमरों का भवन, फर्नीचर, शिक्षण सामग्री, पुस्तकालय, वाचनालय, खेल सामग्री, कम से कम दो शिक्षक) की पूर्ति की जाये।

भारत में उच्च शिक्षा के उद्देश्य :-

(1) परस्पर सीखना (2) परिवर्तनशीलता
(3) मानव बोध (4) प्रसार
(5) उच्च स्तर का निर्माण (6) समाज का मूल्यांकन
(7) साहस एवं निर्भयता

Scanned with CamScanner

N.C.T.E के कार्य :-

(1) शिक्षक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं के संबंध में केन्द्र एवं प्रान्तीय सरकारों एवं U.G.C. एवं विश्वविद्यालयों को सलाह देना।

(2) सभी प्रकार की शिक्षक शिक्षा संस्थाओं के शिक्षकों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता एवं उनके वेतनमान निर्धारित करना।

(3) शिक्षक शिक्षा से सम्बन्धित पक्षों का सर्वेक्षण करना।

(4) घटिया किस्म की शिक्षा संस्थाओं की मान्यता रद्द करने की संस्तुति करना।

प्राथमिक शिक्षा में अपव्यय एवं अवरोधन :-

अपव्यय :- प्राथमिक शिक्षा में अपव्यय का अर्थ है, शिक्षा पूरी न कर पाना अथवा अन्य कारणों से शिक्षा को बीच में छोड़ देना।

अवरोधन :- अवरोधन का अर्थ है एक ही कक्षा में एक से अधिक वर्षों तक रहना या बार २ फेल हो जाना।

विकलांग बच्चों की शिक्षा से अर्थ :- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत विकलांग बालकों के लिए शिक्षा की व्यवस्था की गयी। अनुमानतः 5% विकलांग बच्चे ही विशेष विद्यालयों में शिक्षा एवं रोजगार हेतु सुविधा पाते हैं।

इस नीति के अनुसार इन्हें सामान्य बालकों के साथ सहभागी के रूप में समन्वय करके उन्हें सामान्य विकास के लिए तैयार करना है जिससे वह शिक्षा की मुख्य धारा में शामिल हो सके।

Scanned with CamScanner

अनवरत शिक्षा :- अनवरत शिक्षा से तात्पर्य निरन्तर चलने वाली शिक्षा से है। वह शिक्षा जो बिना किसी रुकावट के लगातार जारी रहती है अनवरत शिक्षा कहलाती है।

शिक्षा का निजीकरण -

जब राज्य के किसी उत्पादन क्षेत्र स्रोत या सार्वजनिक कार्य के किसी क्षेत्र पर निजी संस्थाओं का आधिपत्य होता है तो इसे अर्थशास्त्र की भाषा में सार्वजनिक कार्य क्षेत्र का निजीकरण कहते है।

हमारे देश में वर्तमान में शिक्षा समवर्ती सूची में है यह एक सार्वजनिक कार्य है इसकी व्यवस्था करना केन्द्रीय तथा प्रान्तीय सरकारो का संयुक्त उत्तरदायित्व है परन्तु स्थिति यह है कि प्रान्तीय एवं केन्द्रीय सरकारे मिलकर भी इसकी व्यवस्था नही कर पा रही है। किसी भी प्रकार की स्ववित्तपोषित संस्थाओं को खुले हाथ से मान्यता दी जा रही है, विद्वान इसे ही शिक्षा का निजीकरण मानते है।

दूरगामी शिक्षा के साधन :- कम्प्यूटर, रेडियो, आकाशवाणी, T.V., पत्राचार पाठ्यक्रम, मुक्त विश्व विद्यालय।

(मा.शि.आ.) मुदालियर कमीशन के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य :-

(1) छात्रों में लोकतंत्रीय नागरिकता का विकास
(2) छात्रों में व्यावसायिक कुशलता का विकास
(3) छात्रों में व्यक्तित्व का विकास
(5) नेतृत्व शक्ति का विकास

डी स्तर प्रदान विश्वविद्यालय :-

A.M.U, B.H.U, विश्वभारती, IGNOU, गुरुकुल कॉंगड़ी वि.विद्यालय, दयालबाग डिम्ड विश्वविद्यालय।

Scanned with CamScanner